भारत सरकार
रेल मंत्रालय

राज्य सभा
28.03.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 3302 का उत्तर

एबीएसएस के तहत कुंभकोणम रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास

3302. श्री एस. कल्याणसुन्दरम:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत कुंभकोणम रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास किया जा रहा है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) इसके लिए कितनी धनराशि स्वीकृत की गई है;

(घ) क्या सरकार को इस तथ्य की जानकारी है कि किसी भी पुनर्विकास संबंधी कार्य को 2028 में होने वाले महामहम महोत्सव से पहले पूरा किया जाना है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): रेल मंत्रालय ने 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के अंतर्गत पुनर्विकास के लिए कुंभकोणम रेलवे स्टेशन को चिह्नित किया है और ₹99.84 करोड़ की लागत से इस कार्य को मंजूरी दी गई है।

कुंभकोणम स्टेशन के मास्टर प्लान में नए स्टेशन भवन, नए ऊपरी पैदल पुल, प्लेटफॉर्मों का उन्नयन, परिसंचारी क्षेत्र और पार्किंग सुविधाओं में सुधार के साथ बाहरी भाग का विकास, स्टेशन यार्ड में सुधार, एक अतिरिक्त प्लेटफॉर्म का निर्माण आदि की परिकल्पना की गई है। स्टेशन के संचालन पर न्यूनतम प्रभाव के साथ स्टेशन पुनर्विकास कार्य के निष्पादन करने के लिए शुरू करने की योजना बनाई गई है।

अमृत भारत स्टेशन योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है। इस योजना में प्रत्येक ऐसे रेलवे स्टेशन पर

आवश्यकता को देखते हुए, रेलवे स्टेशनों पर सुविधाओं जैसे रेलवे स्टेशन तक पहुंच मार्ग में सुधार, परिसंचारी क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल है।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध एवं व्यवहार्य रूप से स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण, मल्टीमोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, इस योजना के अंतर्गत 1337 स्टेशनों के चिह्नित किया गया है, जिनमें से कुंभकोणम रेलवे स्टेशन सहित 77 स्टेशन तमिलनाडु राज्य में स्थित हैं।

तमिलनाडु राज्य में विकास के लिए चिह्नित स्टेशनों की सूची नीचे दी गई है:-

क्र. सं.	**राज्य**	**स्टेशनों की संख्या**	**स्टेशनों के नाम**
1	**तमिलनाडु**	**77**	अंबासमुद्रम, अंबत्तूर, अराक्कोणम जंक्शन, अरियलूर, आवडि, बोम्मिडी, चेंगलपट्टू जंक्शन, चेन्नई बीच, चेन्नई एग्मोर, चेन्नई पार्क, चिदंबरम, चिन्ना सेलम, कुरोम्पेट्टै, कोयम्बटूर जंक्शन, कोयम्बटूर नॉर्थ, कुन्नूर, धर्मपुरी, दिंडुक्कल, डॉ. एम.जी. रामचन्द्रन सेन्ट्रल, इरोड जंक्शन, गुडुवनचेरी, गिण्डि, गुम्मिडीपूंडी, होसुर, जोलारपेट्टई जंक्शन, कन्याकुमारी टर्मिनस, कराइक्कुडी जंक्शन, करूर जंक्शन, काटपाडी जंक्शन, कोविलपट्टी, कुलितुरई, कुंभकोणम, लालगुडी, मदुरै जंक्शन, माम्बलम, मनापरई, मन्नारगुडी, मयिलादुथुराई जंक्शन, मेट्टुपलयम, मोरप्पुर, नागरकोइल जंक्शन, नमक्कल, पलानी, परमक्कुडी, पेराम्बुर, पोदनूर जंक्शन, पोलाची जंक्शन, पोलुर, पुदुक्कोट्टई, राजापलायम, रामनाथपुरम, रामेश्वरम, सेलम, सामलपट्टी, शोलावंदन, श्रीरंगम, श्रीविल्लिपुथुर, सेंट थॉमस माउंट, ताम्बरम, तेनकासी, तंजावुर जंक्शन, तिरुवरुर जंक्शन, तिरुचेंदूर, तिरुनेलवेली जंक्शन, तिरुप्पादिरिप्पुलियूर, तिरुपत्तूर, तिरुपुर, तिरुशूलम, तिरुत्तानी, तिरुवल्लुर, तिरुवन्नामलाई, तूतीकोरिन, उदगमंडलम, वेल्लोर कैंट, विल्लुपुरम जंक्शन, विरुधुनगर, वृद्धाचलम जंक्शन

इन 77 स्टेशनों में से, 71 स्टेशनों पर विकास कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

चिह्नित स्टेशनों पर शुरू किए गए कार्यों की गति अच्छी है। उपरोक्त कुछ स्टेशनों पर की गई प्रगति इस प्रकार है:

- मदुरै स्टेशन पर, पूर्व दिशा की ओर बहु-स्तरीय दुपहिया वाहन पार्किंग और विद्युत सबस्टेशन का संरचना संबंधी कार्य पूरा हो चुका है तथा पूर्व दिशा की ओर टर्मिनल भवन, दोनों ओर बहु-स्तरीय कार पार्किंग, एयर कॉनकोर्स, पार्सल ऊपरी पैदल पुल, सबवे आदि का कार्य शुरू हो चुका है।

- चेन्नई एग्मोर स्टेशन पर, पार्सल भवन का संरचना संबंधी कार्य पूरा हो चुका है तथा दोनों ओर बहु-स्तरीय कार पार्किंग, जीआई रोड की ओर टर्मिनल भवन आदि का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- रामेश्वरम स्टेशन पर, उत्तर दिशा की ओर टर्मिनल भवन, विद्युत सब-स्टेशन और पार्सल कार्यालय के निर्माण का संरचनात्मक कार्य पूरा हो चुका है तथा पूर्व दिशा की ओर टर्मिनल भवन, आगमन प्रांगण, प्लेटफॉर्म सुधार आदि का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है।

- सामलपट्टी स्टेशन पर, नए मुख्य टर्मिनल भवन और मुख्य प्रवेश द्वार पर परिसंचारी क्षेत्र का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है तथा दुपहिया वाहन पार्किंग क्षेत्र, प्लेटफॉर्म को ऊंचा करने, परिसर की दीवार का निर्माण आदि कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

सामान्यतः, स्टेशनों के विकास और अनुरक्षण के लिए निधियों का आवंटन योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार। कुंभकोणम रेलवे स्टेशन दक्षिण रेलवे के अधिकार-क्षेत्र में आता है और वित्त वर्ष 2024-25 के लिए दक्षिण रेलवे के लिए योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत ₹1098 करोड़ (संशोधित अनुमान) का आवंटन है।

इसके अलावा, रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना (जिनमें जल/सीवेज लाइनें, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट किए जाने वाले कार्यों के कारण प्रतिबंध आदि जैसी ज़मीनी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अतः, इस समय कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

******